कविता गाओ।

चुहिया और झूला

चुहिया रानी झूला झूले
चूहा रहा झुला
कभी था झूला ऊपर जाता
नीचे कभी चला।

झूला गया बहुत जब ऊपर
चुहिया गई डर
झूले से वह नीचे कूदी
भागी अपने घर।